Get Printed Study Notes for UPSC Exams www.iasexamportal.com/notes

CS (Main) Exam, 2016

SDF–B–LAW

विधि (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

[P.T.O.

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। विधिक प्रावधानों व न्यायिक निर्णयों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about 150 words each. Support your answer with legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अन्तर्गत आपराधिक मनःस्थिति के बिना भी कतिपय कृत्य अपराध हैं। ऐसे अपराधों को गिनाइए।

Even without mens rea there are certain acts, which are offences under the Indian Penal Code, 1860. Enumerate such offences.

(b) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अन्तर्गत प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार केवल निर्दोष व्यक्ति को ही प्राप्त है। यह प्रतिकार का अधिकार नहीं है। विश्लेषण कीजिए।

Right to private defence under the Indian Penal Code, 1860 is available only to an innocent person. It is not a right to retribution. Analyze.

(c) "मेरे द्वारा मेरी इच्छा के विरुद्ध किया गया कार्य, मेरा कार्य नहीं है।" भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के विधिक उपबन्धों के प्रकाश में परीक्षण कीजिए।

"Act done by me against my will, is not my act." Examine in the light of legal provisions of the Indian Penal Code, 1860.

(d) "अपकृत्य की विधि में 'कबूतरखाने के सिद्धान्त' की अब कोई न्यायोचितता नहीं है।" समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

" 'Pigeonhole theory' in the law of tort holds no justification now." Critically examine.

(e) "ई-वाणिज्य ने भारत में उपभोक्ता संरक्षण को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

"E-commerce has adversely affected the consumer protection in India." Elucidate the statement.

2. (a) "वादी की सम्पत्ति में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप, वादी के द्वारा उस सम्पत्ति का आनंद उठाने में व्यक्तिगत बेआरामी उत्पन्न कर सकता है।" विनिश्चित मामलों की सहायता से इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिएं।

"Any interference with a plaintiff's property may cause personal discomfort to the plaintiff in enjoyment of the property." Critically examine the statement with the help of decided cases. 15

(b) "भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 498 A की आत्मा को हाल ही के न्यायालयों के न्यायिक निर्णयों ने परिवर्तित कर दिया है।" न्यायिक निर्णयों की सहायता से इस कथन की व्याख्या कीजिए।

"Recent judicial decisions of the courts have changed the spirit of Section 498 A of the Indian Penal Code, 1860." Explain the statement with the help of judicial pronouncements. 15

Download FREE UPSC E-BOOKS FREE! CLICK HERE

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

(c) ''प्रत्येक आपराधिक मानव-वध और हत्या आवश्यक रूप से उपहति है, लेकिन प्रत्येक उपहति आवश्यक रूप से आपराधिक मानव-वध और हत्या नहीं है।'' समझाइए।

"Every culpable homicide and murder is necessarily a hurt, but every hurt is not necessarily a culpable homicide and murder." Elucidate. 20

3. (a) *A* के द्वारा *B* के बॉक्स को तोड़कर कुछ जवाहरात की चोरी करने का प्रयत्न किया जाता है, किन्तु बॉक्स को खोलकर वह पाता है कि उसमें जवाहरात नहीं है, लेकिन *A* उसी समय ₹ 100 का नोट बॉक्स में रख देता है, जिसको *A* ने *C* से चुराया था। निर्णय कीजिए कि *A* ने कौन-सा/से अपराध किया है/किए हैं।

A attempts to steal some jewels by breaking open a box belonging to *B* and finds, thereafter so opening the box, that there is no jewel in it, but *A* simultaneously puts ₹ 100 currency note in the box, which was already stolen by *A* from *C*. Decide as to what offence(s) is/are committed by *A*. 20

(b) अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जनजातियाँ (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की मूल आत्मा को, जिसे न्यायपालिका ने *काशीनाथ महाजन* के वाद में तनुकरण कर दिया था, हाल ही में विधायिका ने पुनर्स्थापित कर दिया है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

The basic spirit of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989, which was diluted by the judiciary in *Kashinath Mahajan's* case, has been restored by the legislature recently. Examine critically. 15

(c) ''जब वादी को नुकसान पहुँचाने वाली घटनाएँ एक ही समय की न होकर एक के बाद एक हों, तब कारणता का अभिनिश्चय एक समस्या होती है।'' अपकृत्य की विधि के अन्तर्गत निर्णीत वादों की सहायता से व्याख्या कीजिए।

"Ascertainment of causation is a problem, when the events causing damage to plaintiff are not simultaneous but successive." Elaborate it with the help of decided cases under the law of tort. 15

4. (a) ''एक स्वर्णकार द्वारा महिला के कान में बाली पहनाने में इतनी सावधानी की आवश्यकता नहीं है, जितनी कि चिकित्सक द्वारा महिला के कान की शल्यचिकित्सा में आवश्यक है।'' अपकृत्य की विधि के अन्तर्गत सावधानी की कोटि सम्बन्धी विधि की व्याख्या कीजिए।

"A goldsmith putting earring to woman's ear does not require as much care as a surgeon performing surgery on the ear of woman." Elaborate the law relating to degree of care required under the law of tort. 20

(b) 'मिथ्या कारावास' के अपकृत्य घटित होने में केवल भौतिक सीमाएँ ही अत्यावश्यक नहीं हैं, अपितु इस सन्दर्भ में मनोवैज्ञानिक सीमाएँ भी काफी होती हैं। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Mere physical boundaries are not the essential requirement to constitute the tort of 'false imprisonment', but psychological boundaries too are enough in this regard. Critically examine. 15

(c) ''किसी महिला के विरुद्ध बोले गए शब्दों के द्वारा निर्लज्जता का लांछन लगाना विशेष नुकसानी के प्रमाण के बिना एक अनुयोज्य दोष है।'' अपकृत्य की विधि के अन्तर्गत परीक्षण कीजिए।

"Imputation of unchastity against a woman by spoken words is a wrong actionable without proof of special damage." Examine under the law of tort. 15

Download FREE UPSC E-BOOKS
FREE!
CLICK HERE

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए। उपयुक्त विधिक उपबन्धों व निर्णीत वादों की सहायता से अपने उत्तर का समर्थन कीजिए :

Answer the following in about *150* words each. Support your answer with relevant legal provisions and decided cases : 10×5=50

(a) ‘‘संविदाओं की विधि करारों की सम्पूर्ण विधि नहीं है, और न ही यह दायित्वों की सम्पूर्ण विधि है, परन्तु यह दोनों के अधिकारों व दायित्वों से भी सम्बन्धित है।’’ विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

“The law of contracts is not the whole law of agreements, nor it is the whole law of obligations, but it also deals with the rights and obligations of both.” Elucidate.

(b) ‘‘भागीदारी का विघटन, भागीदारी फर्म का विघटन होता है, परन्तु भागीदारी फर्म का विघटन, भागीदारी का विघटन नहीं होता है।’’ विधिक प्रावधानों और वादों की सहायता से विशदीकरण कीजिए।

“The dissolution of partnership is the dissolution of a partnership firm, but the dissolution of a partnership firm is not the dissolution of partnership.” Elucidate with the help of legal provisions and cases.

(c) ‘‘लोकहित मुकदमेबाज़ी सभी बुराइयों की दवा नहीं है, यह न्यायालयों का वरदान है। फिर भी इसके दुरुपयोग को रोकना भी न्यायालय का कर्तव्य है।’’ विशदीकरण कीजिए।

“Public interest litigation is not the pill of all ills, it is the boon of the courts. However it is also the duty of the court to prevent its misuse.” Elucidate.

(d) ‘‘अभिकरण (एजेंसी) की संविदा, सामान्य संविदा की भाँति प्रतिसंहरणीय है, परन्तु कभी-कभी इसका निराकरण करना असंभव होता है।’’ निर्णीत वादों व सुसंगत प्रावधानों की सहायता से विश्लेषण कीजिए।

“Contract of agency is revocable like an ordinary contract, but sometimes it is impossible to repudiate it.” Analyze with the help of decided cases and relevant provisions.

(e) ‘‘नागरिकों के लिए सूचना के अधिकार की व्यावहारिक व्यवस्था भारत में सुशासन की कुंजी है, परन्तु इसकी मूल भावना के अनुरूप इसे लागू नहीं किया जा रहा है।’’ *अंजली भारद्वाज* बनाम *भारत संघ*, फरवरी 2019 में भारत के उच्चतम न्यायालय के निर्णय के प्रकाश में इसका परीक्षण कीजिए।

“Pragmatic regime of right to information for citizens is the key to good governance in India, but it is not being implemented in its original spirit.” Examine it in the light of decision of the Supreme Court of India in *Anjali Bhardwaj* vs. *Union of India*, February 2019.

6. *(a)* ‘‘संविदा के उन्मोचन में संविदा का भंग शामिल होता है, किन्तु संविदा के भंग में आवश्यक रूप से संविदा का उन्मोचन शामिल नहीं होता।’’ उपयुक्त दृष्टांतों के साथ इस कथन का परीक्षण कीजिए।

“Discharge of a contract includes breach of contract, but breach of a contract does not necessarily include discharge of contract.” Examine the statement with suitable illustrations.

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

(b) "राष्ट्रीय हरित अधिकरण, जिसकी स्थापना पर्यावरण की सुरक्षा और वनों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सम्बन्धित मामलों को त्वरित व प्रभावशाली ढंग से निस्तारण करने के लिए की गई थी, ने इस बारे में एक अहम भूमिका हाल ही में अदा की है।" इस कथन का राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा सुनाए गए निर्णयों के सन्दर्भ में परीक्षण कीजिए।

"The National Green Tribunal, which was established for effective and expeditious disposal of cases relating to environmental protection and conservation of forests and other natural resources, has played a pivotal role in the recent past in this regard." Examine the statement with reference to pronouncements given by the National Green Tribunal. 15

(c) साइबर विधि के अन्तर्गत अधिकारिता को अभिनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के सुसंगत विधिक उपबन्धों की, भारतीय न्यायालयों द्वारा अनुप्रयुक्त विभिन्न परीक्षणों के साथ, व्याख्या कीजिए।

Ascertainment of jurisdiction is a big challenge under the cyber law. Elaborate the relevant legal provisions of the Information Technology Act along with various tests applied by the Indian courts. 20

7. (a) "अनुचित संपन्नता वृद्धि का सिद्धान्त अप्रत्यक्षतः संविदा विधि में भी विद्यमान है।" इसके विभिन्न आयामों की व्याख्या कीजिए।

"The principle of unjust enrichment finds place indirectly under the law of contract." Explain its various dimensions. 15

(b) "जरूरतमन्द व्यक्तियों को न्याय प्रदान करने में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 में उपबन्धित वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र ने एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।" विधिक प्रावधानों व वाद विधि की सहायता से व्याख्या कीजिए।

"Alternative dispute resolution mechanism as provided under the Legal Services Authorities Act, 1987 has played a pivotal role in dispensation of justice to the needy persons." Explain with the help of legal provisions and case law. 15

(c) "विक्रय की संविदा के पक्षकार सम्पत्ति के हस्तांतरण से सम्बन्धित जोखिम को घटा या बढ़ा सकते हैं।" माल विक्रय की विधि के अन्तर्गत इसके विभिन्न आयामों को विस्तारपूर्वक समझाइए।

"Parties to the contract of sale may reduce or enhance the risk relating to passing of property." Elucidate its various dimensions under the law of sale of goods. 20

8. (a) "वर्तमान समय में ज्ञान की पहुँच के अधिकार तथा कॉपीराइट विधि के बीच एक टकराव विद्यमान है।" कॉपीराइट विधि के अन्तर्गत, उचित व्यवहार के सिद्धान्त के प्रकाश में, इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

"In the present time, there is a conflict between the right to access to knowledge and the copyright law." Explain the statement in the light of doctrine of fair dealing under the copyright law. 15

Get Printed Study Notes for UPSC Exams - www.iasexamportal.com/notes

(b) ''माध्यस्थम् के रूप में अन्तिमता के साथ सन्निकट न्याय, न्यायालयों में न्याय प्रशासन के बुनियादी सिद्धान्त के विरुद्ध है।'' भारत में वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के अद्यतन विकासों के प्रकाश में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

"Approximate justice with finality by the way of arbitration is against the basic principle of administration of justice in the courts." Examine the statement in the light of latest developments of alternative dispute resolution system in India. 15

(c) ''प्रतिस्पर्धा नीति और विधि का बुनियादी प्रयोजन किसी अर्थव्यवस्था में संसाधनों के दक्ष नियतन को सुनिश्चित करने के एक साधन के रूप में, प्रतिस्पर्धा को बनाए रखना और उसकी प्रोन्नति करना है।'' भारत में नव आर्थिक परिदृश्य के प्रकाश में इस कथन को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

"The basic purpose of competition policy and the law is to preserve and promote competition as a means of ensuring efficient allocation of resources in an economy." Elucidate the statement in the light of new economic scenario in India. 20

★★★